

मध्य प्रदेश भगवान कृष्ण से जुड़े स्थलों का विकास करेगा

चर्चा में क्यों?

'[राम वन गमन पथ](#)' को विकसित करने की योजना की घोषणा के बाद, मध्य प्रदेश सरकार राज्य में भगवान कृष्ण से जुड़े स्थानों को भी विकसित करेगी।

- माना जाता है कि 'राम वन गमन पथ' वह मार्ग है जसि **भगवान राम ने वन में वनवास के लिये जाते समय अपनाया था।**

मुख्य बडि:

- मुख्यमंत्री ने [पर्यटन एवं संस्कृति विभाग](#) के अधिकारियों से कहा कि राज्य में **भगवान श्रीकृष्ण** के भ्रमण स्थलों पर तीर्थयात्रियों के लिये भी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँ।
 - **भगवान कृष्ण मथुरा से उज्जैन** राज्य में गए और ऋषिसांदिपन के आश्रम में रहे जहाँ उन्होंने विभिन्न कलाएँ सीखी तथा वेदों का अध्ययन किया।
 - धार ज़िले के अमझेरा स्थिति नारायण धाम और उज्जैन ज़िले की महदिपुर तहसील का भी विशेष धार्मिक महत्त्व है।
 - अमझेरा में **शैव और वैष्णव संप्रदाय** के कई प्राचीन मंदिर हैं तथा यह **भगवान कृष्ण एवं रुक्मणी से जुड़ा हुआ है।**
 - नारायण धाम में **वशिव का एकमात्र मंदिर है** जहाँ भगवान कृष्ण **अपने मतिर सुदामा के साथ** नज़र आते हैं।
- बेहतर सुविधाओं और बुनियादी ढाँचे से इन स्थानों पर पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का प्रवाह बढ़ेगा।
- नकिट भवषिय में आम लोगों को शामिल करके **अंतर्राष्ट्रीय गीता और रामायण महोत्सव** आयोजित किया जा सकता है तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था की सहायता के लिये देवी-देवताओं की लघु मूर्तियों के नरिमाण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये।